लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2620
04 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत टेक्स 2026

2620. श्री बृजमोहन अग्रवालः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत टेक्स भारतीय निर्यातकों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और विदेशी खरीदारों को आकर्षित करने के लिए 'फार्म टू फॉरेन के 5एफ (5F), विजन का किस प्रकार उपयोग करता है;

(ख) बी2बी और जी2जी नेटवर्किंग सत्र किस प्रकार सीमा-पार साझेदारी को सुगम बनाते हैं, जिससे क्षेत्रीय बुनकरों और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय फैशन ब्रांडों को समान रूप से लाभ होता है;

(ग) क्षेत्रीय भागीदार, जैसे कि छत्तीसगढ़ राज्य, अनूठी स्थानीय बुनाई को उजागर करने और कारीगरों की आय बढ़ाने के लिए भारत टेक्स के संस्करणों में अपने समर्पित स्थान का किस प्रकार लाभ उठाते हैं;

(घ) भारत के क्षेत्रीय वस्त्र हबों को वैश्विक बाजार में भावी नेतृत्वकर्ताओं के रूप में स्थापित करने के लिए दी जा रही प्राथमिकता की बारंबारता को और स्थिरता पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) भारत टेक्स के संस्करणों में विदेशी खरीदारों ने किस प्रकार भाग लिया है, इसका वर्ष-वार और देश-वार ब्यौरा क्या है; और

(च) उक्त कार्यक्रम के आयोजन से प्राप्त होने वाली सफलता के मैट्रिक्स और उल्लेखनीय परिणामों का ब्यौरा क्या है, जिससे हमारे निर्यातकों को अपने वैश्विक पदचिह्न का विस्तार करने में सहायता मिली है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क): वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन (BTTF) द्वारा आयोजित भारत टेक्स 2026 की परिकल्पना माननीय प्रधानमंत्री जी के फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन के 5 एफ विजन के इर्द-गिर्द की गई है। वर्ष 2024 में अपनी स्थापना के बाद से, भारत टेक्स ने अपने भौतिक लेआउट में सीधे इस मूल्य श्रृंखला को प्रतिबिंबित किया है, जिसमें फाइबर, यार्न और कच्ची सामग्री से लेकर फैब्रिक और अपैरल निर्माण से लेकर तैयार, निर्यात हेतु तैयार उत्पादों तक के प्रदर्शनी हॉल हैं, जिससे खरीदारों को एक एकीकृत मंच के तहत संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला के साथ जुड़ने में मदद मिलती है।

(ख): भारत टेक्स वस्त्र मूल्य श्रृंखला में वैश्विक और घरेलू हितधारकों के बीच बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी), गवर्नमेंट-टू-गवर्नमेंट (जी2जी) और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (बी2जी) संपर्क में सहायता करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। यह आयोजन निर्माताओं, निर्यातकों, कारीगर समूहों, हथकरघा और हस्तशिल्प

क्लस्टरों, एमएसएमई, वैश्विक ब्रांडों, खुदरा विक्रेताओं, सोर्सिंग कंपनियों और निवेशकों को क्रेता-विक्रेता बैठकों, व्यापार नेटवर्किंग सत्रों, देश के संपर्कों और विषयगत चर्चाओं के माध्यम से बातचीत करने के अवसर प्रदान करता है।

निर्यात संवर्धन परिषदों (EPC) के माध्यम से, क्षेत्रीय बुनकरों, हथकरघा सहकारी समितियों और कारीगर निर्यातकों ने संरचित बी2बी मैचमेकिंग सत्रों के माध्यम से सीधे अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों के साथ बातचीत की, जिससे पारंपरिक शिल्प क्लस्टरों को वैश्विक सोर्सिंग और खरीद टीमों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने में सहयोग किया गया।

भारत टेक्स 2026 के साथ आयोजित इंडी हाट ने देश भर के बुनकरों और कारीगरों को एक साथ लाकर इन प्रयासों को और बढ़ावा दिया, जिससे उन्हें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों के साथ विचार-विमर्श करने और अपने बाजार पहुंच का विस्तार करने के लिए एक विशिष्ट मंच प्रदान किया गया।

इसके अलावा, अग्रणी और आकांक्षी जिलों के एमएसएमई, स्टार्ट-अप और बुनकरों को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिससे उन्हें व्यापक टेक्सटाइल इकोसिस्टम, उभरते बाजार के रुझान, तकनीकी नवाचार और उद्योग के अग्रणियों, खरीदारों और संस्थागत हितधारकों के साथ नेटवर्किंग के अवसर मिले। एक साथ, इन पहलों ने समावेशी भागीदारी को बढ़ावा देने और वस्त्र क्षेत्र के विभिन्न खंडों में हितधारकों के लिए अधिक बाजार पहुंच बनाने की मांग की।

(ग): छत्तीसगढ़ राज्य को भारत टेक्स 2026 में एक विशिष्ट 100 वर्ग मीटर का प्रदर्शनी पवेलियन उपलब्ध कराया गया था। इस पवेलियन ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों, वैश्विक ब्रांडों, उद्योग के अग्रणियों और निवेशकों के समक्ष राज्य की समृद्ध वस्त्र और हस्तशिल्प परंपराओं, हथकरघा उत्पादों, क्षेत्रीय क्लस्टरों, औद्योगिक क्षमताओं और निवेश के अवसरों को प्रदर्शित किया। इसमें आधुनिक वस्त्र मूल्य श्रृंखला के साथ-साथ पारंपरिक शिल्पों को बढ़ावा देने के लिए राज्य के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला गया।

(घ): भारत टेक्स 2026 में एक विशिष्ट इको-स्टिच सस्टेनेबिलिटी एंड सर्कुलरिटी हब शामिल था, जिसे क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CMAI) और ग्लोबल एलायंस फॉर टेक्सटाइल सस्टेनेबिलिटी (GATS) द्वारा संयुक्त रूप से "सस्टेनेबल, सर्कुलर एंड कॉम्पिटिटिव भारत" विषय के तहत प्रस्तुत किया गया था। इस हब में छह क्यूरेटेड जोन, इंडिया इम्पैक्ट वॉल, सर्कुलरिटी एट स्केल, फ्रॉम वेस्ट टू ग्लोबल वार्डरोब, मेड इन सर्कुलर भारत, मटेरियल एंड इनोवेशन लाइब्रेरी और सर्कुलर भारत फोरम शामिल हैं, जो सर्कुलर टेक्सटाइल सॉल्यूशन्स पर काम करने वाले रीसाइकलर्स, मैन्युफैक्चरर्स, ब्रांड्स, इनोवेटर्स और टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर्स को एक साथ लाते हैं। मंत्रालय विकास आयुक्त (हथकरघा) के कार्यालय की एक पहल 'वीव द फ्यूचर' के माध्यम से सर्कुलेरिटी और सस्टेनेबिलिटी को भी बढ़ावा दे रहा है, जो जिम्मेदार उत्पादन, रिसोर्स एफिशिएंसी, मैटीरियल इनोवेशन और सस्टेनेबल आजीविका को प्रोत्साहित करने के लिए कारीगरों, डिजाइनरों, उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों और इनोवेटर्स के बीच समन्वय में मदद करती है। यह पहल अपसाइक्लिंग, रीसाइक्लिंग, रिपेयर, पुन: प्रयोजन (री-पर्पजिंग) और सर्कुलर डिजाइन पद्धतियों को भी बढ़ावा देती है, जिससे भारत के क्षेत्रीय वस्त्र केंद्रों की प्रतिस्पर्धा और सस्टेनेबिलिटी मजबूत होती है।

ज्ञान विनिमय और सस्टेनेबल पद्धतियों को अपनाने को और बढ़ावा देने के लिए, सर्कुलर अर्थव्यवस्था, सस्टेनेबल फाइबर और सामग्री, टेक्सटाइल री-साइकलिंग, ईएसजी और सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग, ट्रेसेबिलिटी, रेस्पोंसिबल सोर्सिंग, डीकार्बोनाइजेशन, संसाधन दक्षता, जल प्रबंधन, डिजिटल उत्पाद पासपोर्ट, जलवायु अनुकूलता, ग्रीन फाइनेंस और उभरते वैश्विक सस्टेनेबिलिटी विनियमों जैसे विषयों पर 41 विशिष्ट ज्ञान सत्र आयोजित किए गए।

(ङ): अब तक आयोजित भारत टेक्स के तीन संस्करणों में विदेशी खरीदारों की भागीदारी नीचे दी गई है:

संस्करण	तारीखें और स्थान	विदेशी/अंतर्राष्ट्रीय खरीदार	प्रतिनिधित्व करने वाले देश
भारत टेक्स 2024	दिनांक 26-29 फरवरी 2024; भारत मंडपम और यशोभूमि, नई दिल्ली	लगभग 3,000	111
भारत टेक्स 2025	दिनांक 14-17 फरवरी 2025; भारत मंडपम, नई दिल्ली और इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा	4,335	126
भारत टेक्स 2026	दिनांक 14-17 जुलाई 2026; भारत मंडपम, नई दिल्ली	6,090 (बाइंग हाउसेस सहित)	138

(च): भारत टेक्स 2026 ने निम्नलिखित प्रमुख परिणाम दर्ज किए: 1,647 प्रदर्शनी कंपनियां (1,628 घरेलू और 19 अंतर्राष्ट्रीय) 65,000 + वर्ग मीटर प्रदर्शनी स्थल में, 29,000 संरचित बी2बी बैठकें आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त, व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, सस्टेनेबिलिटी और संस्थागत समन्वय में 40 से अधिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन और प्रीमियर विजन पेरिस के बीच एक आशय पत्र भी शामिल है।

भारत टेक्स 2026 के दौरान, खरीदार नेटवर्क में 22 नए खरीदार बाजार जोड़े गए, जिससे भारत के वैश्विक सोर्सिंग फुटप्रिंट का और विस्तार हुआ। इस कार्यक्रम ने भाग लेने वाले ईपीसी के माध्यम से 500 से अधिक नए भारतीय निर्यातकों को शामिल करने में सहायता प्रदान की, जिससे देश के निर्यात आधार का विस्तार हुआ और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारतीय उद्यमों की अधिक भागीदारी संभव हो सकी। कुल मिलाकर, इन परिणामों ने निर्यात को बढ़ावा देने, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार साझेदारी को बढ़ावा देने और भारतीय वस्त्र और अपैरल उद्योग की वैश्विक दृश्यता को बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में भारत टेक्स 2026 को मजबूत किया।

***